भाग नहीं लिया गया है। [illegible]
कार्यों में व्यस्त है। पत्रावली दिनांक 11.06.25 को पेश हो।

11.06.25 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थी सं. 1 व 2 की ओर से वकील श्री सुरेशकुमार द्वारा वकालतनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। पक्षकारों द्वारा राजीनामा पेश कर प्रार्थीगण द्वारा चाहा गया रास्ता स्वीकृत करने का निवेदन किया गया। वकील उभयपक्ष को सुना गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर शामिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(दिव्या सोनी)
RAS

गोपालराम
इन्द्रजीत